

14.8.19

काज पत्रावली पेश हुई। वकील वादी
उपस्थित। वकील वादी की पुत्रः
एक पक्षीक बहल सुनी गई। फावली
वास्तु आदेश दिनांक 21.8.19 को
पेश हो

21-8-19

पत्रावली पेश हुई वकील पक्षकम, इय.
10 86 वृन्दी राजम मीरक में वृन्दी
पक्षरे डी पक्षरे उभय पत्रावली दिनांक
28-8-19 को पेश हो 2

28-8-19

पत्रावली पेश हुई वकील वादी उपस्थित
आदेश सुनाया गया वादी का वाद-पत्र
स्वीकार किया गया है। विरुद्ध निवेदन
पुत्रक से लिखा गया जाकर शर्मा
पत्रावली किया गया निवेदन अनुसार
पक्षरे डी गयी होकर पत्रावली फंसल
शुभार हो कर वृन्दी वकील दाखिल किया
है।

उपखण्ड अधिकारी
लाखरी जिला वृन्दी

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी लाखेरी (बून्दी)

वाद संख्या 69/2014

पीठासीन अधिकारी

दायरा दिनांक :- 12.11.2014

गोरधनलाल मीना (RAS)

बउनवान

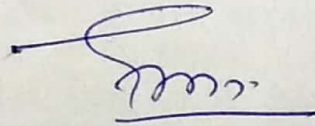
1. सतपाल आत्मज श्री रतिराम जाति जाट निवासी 198 गांव सनोट नरेला दिल्ली।

- वादीगण -

बनाम

1. राधेश्याम आत्मज श्री चतुर्भूज जाति कीर निवासी ग्राम पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
2. नारायण आत्मज श्री चतुर्भूज जाति कीर निवासी ग्राम पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
3. फोरु लाल श्री चतुर्भूज जाति कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
4. मुकेश आत्मज श्री चतुर्भूज जाति कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
5. मन्जू बाई पुत्री श्री चतुर्भूज जाति कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
6. राजेश बाई पुत्री चतुर्भूज जाति कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
7. भूली बाई बैवा श्री चतुर्भूज जाति कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
8. कल्याण आत्मज छीतर जाति कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
9. छोटू लाल आत्मज छीतर जाति कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
10. मथुरा आत्मज चमना जाति कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
11. बैंक आफ बडौदा शाखा लाखेरी जयें शाखा प्रबन्धक तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)
12. उप-पंजीयक अधिकारी, उपपंजीयक कार्यालय उप-तहसील लाखेरी
13. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय, बून्दी (राज.)
14. राजस्थान सरकार जयें तहसीलदार इन्द्रगढ जिला बून्दी (राज.)

-प्रतिवादीगण



उपखण्ड अधिकारी
लाखेरी जिला बून्दी

- प्रतिवादीगण -

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88,89,188
आर.टी.एक्ट.
वाद बाबत घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा
वाद पत्र अन्तर्गत आदेश 7 नियम 1 जा०दी०

निर्णय

दिनांक :- 28.08.2019

वादीगण ने वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88,89,188 आर.टी.एक्ट में प्रस्तुत कर कथन किया कि जमाबन्दी सम्वंत 2067 से 2070 तक वाके ग्राम पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी की केवट खतोनी संख्या नई-11, पुरानी 10 की कृषि भूमि खसरा नं. 23 रकबा 0.79 हैक्टर, खसरा संख्या 24 रकबा 0.41 हैक्टर खसरा संख्या 312 रकबा 1.42 हैक्टर, खसरा संख्या 376 रकबा 1.62 हैक्टर, कुल किता 4, कुल रकबा 4.24 हैक्टर स्थित है जो वर्तमान जमाबन्दी अनुसार प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 10 के नाम राजस्व रिकोर्ड मे दर्ज चली आ रही है। प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 7 चतुर्भज के वारिसान है तथा चतुर्भज की मृत्यु आज से करीब 10 वर्ष पूर्व हो चुकी थी जिसके कारण चतुर्भज के हिस्से की आराजी पर उसके वैध वारिसान/कब्जा काश्त चला आ रहा था लेकिन प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 7 को अपने पारिवारिक खर्चों की आवश्यकता होने पर प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 7 ने अपने पूर्वज चतुर्भज के हिस्से की निहित कृषि भूमि को प्रतिवादी संख्या 8 लगायत 9 के साथ मिलकर 3,00,000/- रुपये अक्षरे तीन लाख रुपये प्रतिफल की ऐवज में प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 9 ने विवादित आराजी में निहित हिस्सा 2/3 की कृषि भूमि का विक्रय वादी के पक्ष में दिनांक 7.8.2009 को किया जाकर प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 9 के द्वारा वादी के पक्ष में विक्रय पत्र का निष्पादन रूबरू गवाहान किया जाकर रूबरू गवाहान वादी के एक मुश्त प्रतिमल राशि 3,00,000/- रुपये नकद प्राप्त कर विक्रय पत्र का पंजीयन दिनांक 7.8.2009 को वादी के पक्ष में रूबरू गवाहान नियमानुसार उपपंजीयन इन्द्रगढ से करवाया जाकर विक्रय शुदा कृषि भूमि का कब्जा रूबरू गवाहान भौतिक रूप से वादी को सिपुर्द किया गया था तब से ही वादी वाद विनयक आराजी पर बतौर सहखातेदार की हैसियत से काबिज काश्त चला आ रहा है और वादी एवं प्रतिवादी संख्या 10 बतौर सहखातेदार के रूप में विवादित आराजी पर काबिज काश्त रहते हुये गत कृषि वर्ष सम्वंत 2068 से 2070 तक में खरीफ की फसलों में सोयबीन, तिल व रबी की फसलों में सरसों की फसल बोर्ड गई एवं कांटी गई इस प्रकार वादी बतौर सहखातेदार के रूप में वाद विषयक आराजी पर प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 10 की जानकारी में काबिज काश्त चला आ रहा है। यह कि प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 7 के द्वारा अपने खातेदार अधिकार व स्वामित्व का हस्तान्तरण जर्जे रजि. विक्रय पत्र दिनांक 7.8.2009 से वादी के पक्ष में रूबरू गवाहान विक्रय शुदा भूमि का कब्जा वादी को रूबरू गवाहान संभला दिया गया था जिसके कारण प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 7 के खातेदारी अधिकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 63(7) के तहत पूर्णतया समाप्त हो चुके है और जो अधिकार प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 7 को विवादित आराजी बाबत प्राप्त थे वे सब अधिकार वादी को प्राप्त हो गये है जिसके कारण वादी रजि. विक्रय पत्र दिनांक 7.8.2009 के आधार पर वाद विषयक आराजी का बतौर सहखातेदार कृषक स्वतः ही बन गया है यहां उल्लेखित किया जाता है कि प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 9 के द्वारा वाद विषयक आराजी बाबत रजि. विक्रय पत्र का पंजीयन वादी के पक्ष में करवाने के पश्चात प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 7 का वाद विषयक आराजी के किसी भी भू-भाग पर कभी भी कब्जा काश्त नहीं रहा और न ही वर्तमान मे है। वाद विषयक आराजी

उपखण्ड अधिकारी
लाखेरी जिला बून्दी

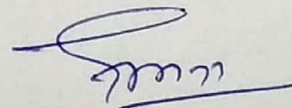
के राजस्व रिकार्ड में विक्रय पत्र के आधार पर नामान्तरण दर्ज नहीं होने का नाजायज फायदा उठाकर प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 7 वाद विषयक भूमि के राजस्व रिकार्ड में अपने नाम खातेदारी अंकित होने का नाजायज लाभ उठाकर वादी को वाद विषयक भूमि से बेदखल करने का प्रयास कर रहे हैं। और अन्त में निवेदन किया कि वाद विषयक आराजी के राजस्व रिकार्ड में प्रतिवादीगण संख्या 1 लगायत 7 का नाम विलोपित किया जाकर वादी को जयें रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से बतौर सहखातेदार कृषक घोषित किया जावें।

वादी का वाद पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जयें सम्मन तलब किया गया। प्रतिवादी संख्या 2 लगायत 12 व 14 बावजूद सूचना के अनपुस्थित रहने से उनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई। प्रतिवादी संख्या 1 को काफी अवसर दिये जाने पश्चात भी कोई जवाब दावा प्रस्तुत नहीं किया है। वादी की ओर से अपने साक्ष्य में स्वयं का साक्ष्य शपथ पत्र पी.डब्लू 1 पेश किया एवं दस्तावेजी साक्ष्य में नकल जमाबन्दी सम्वत 2067-2070 प्रदर्श 1, खसरा गिरदावरी सम्वत 2067-2070 प्रदर्श 2, रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 07.08.2009 प्रदर्श 3 पेश किये।

हमारे द्वारा वादी के अधिवक्ता की एक पक्षीय बहस सुनी गई। वादी के अधिवक्ता ने वाद पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुये तर्क दिया कि वाद विषयक आराजी प्रतिवादीगण संख्या 1 लगायत 9 द्वारा दिनांक 07.08.2009 को जयें रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से खसरा नं० 312 रकबा 1.42 है. खसरा नं० 376 रकबा 1.62 है. किता 2 कुल रकबा 3.04 है. वाके ग्राम पचीपला में स्थित कृषि भूमि का बेचान वादी के पक्ष में किया जाकर वादी को कब्जा सुपुर्द किया गया था। लेकिन राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारीयों द्वारा वादी के पक्ष में नामान्तरण दर्ज नहीं किया गया। वादी कयशुदा कृषि भूमि पर लगातार कब्जा काश्त चला आ रहा है। जयें रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 07.08.2009 से कय की गई कृषि भूमि बाबत अधिकार घोषणा प्राप्त करने का अधिकारी है। अन्त में प्रार्थना की गई कि वादी का वाद पत्र डिक्री फरमाया जावें।

हमारे द्वारा वादीगण के अधिवक्ता की एक पक्षीय बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया। हमारे द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 07.08.2009 प्रदर्श 3 का अवलोकन किये जाने से स्पष्ट है कि प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 9 के द्वारा खसरा संख्या 312 रकबा 1.42 हैक्टर, खसरा संख्या 376 रकबा 1.62 हैक्टर, कुल किता 2, कुल रकबा 3.04 हैक्टर वाके ग्राम पचीपला में स्थित कृषि भूमि में निहित हिस्सा 2/3 का बेचान जयें रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 07.08.2009 से बेचान किया जाकर वादी को कब्जा संभलाया गया था। रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 07.08.2009 के पश्चात वाद विषयक आराजी से प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 9 के खातेदारी अधिकार धारा 54 सम्पत्ति हस्तान्तरण अधिनियम व धारा 63 (4) आर.टी. एक्ट के तहत वादी के पक्ष में हो चुके हैं। प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 9 की ओर से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के खडंन बाबत कोई साक्ष्य सबूत पेश नहीं किए गए। जिसके अभाव में रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 7.8.2009 पूर्णतया विधि सम्मत होना प्रतीत होता है। प्रतिवादीगण संख्या 1 लगायत 7 का नाम राजस्व रिकार्ड से विलोपित किया जाकर वादी का नाम वाद विषयक आराजी का खातेदार कृषक घोषित किया जाना उचित प्रतीत होता है।

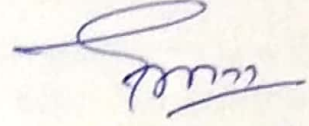
अतः वादी के द्वारा प्रस्तुत वाद पत्र स्वीकार किया जाकर खतोनी संख्या नई-11, पुरानी 10 की कृषि भूमि खसरा संख्या 312 रकबा 1.42 हैक्टर, खसरा संख्या 376 रकबा 1.62 हैक्टर, कुल किता 2, कुल रकबा 3.04 हैक्टर वाके ग्राम पचीपला तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी में वादी को हिस्सा 2/3 का संयुक्त



उपखण्ड अधिकारी
लाखेशी जिला बन्दी

कृषक खातेदार घोषित किया जाता है। एवं प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 7 का नाम राजस्व रिकार्ड से विलोपित किया जाता है। प्रतिवादी संख्या 1 लगायत 7 को जयें स्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादी के कब्जे काश्त में किसी प्रकार की दखलनादाजी न तो स्वयं करें और न किसी अन्य प्रतिनिधि से कराये। तदनानुसार पर्चा डिग्री जारी हो।

निर्णय लिखवाया जाकर आज दिनांक 28.8.2019 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।



उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी
लाखेरी जिला बून्दी
लाखेरी (बून्दी)

F.D. डिगरी ब मुकदमें इबादाई

(O 20, Rr 6,7)

(civil Procedure Code, Appendix D)

अज अदालत... उपरवा... साईकाणी... मुकाम... लाखेरी
 व इजलास... श्री शोरे धनलाल बीमा १-१२-८

1. सतपाल आलोज रक्षीराम जाति बनाम 1. राधेश्याम आलोज पतुभुज जाति कीर
 जाट निवासी 198 गांव सनोत निवासी ग्राम पचीपला तहसील इन्द्रगढ़
 नरेला दिल्ली जिला बुंदी कीरह पनः
 वादी

मुकदमा नम्बर 69/गवा/2014 दावा बाबत 88, 89, 108 आर.सी.ए.
 सन... व हाजिरी
 यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रुबरु हमरे
 श्री सुरेश कुमार सूर्यवंत मिनजानिब मुद्दई रुबरु श्री डायरिफ उरली ए.
 मिनजानिब मुद्दायलह पेश होकर हुकुम दिया जाता है व डिगरी दी जाती है कि

वादी का वाद पत्र स्वीकार कर डिग्री दिया जाता है कि खतोनी स. 10 पुरानी
 11 नई जमावन्दी सम्बन्ध 2067 से 2010 वाके ग्राम पचीपला तहसील इन्द्रगढ़ में
 वाकित खसय स. 312 रुकवा 1.02 है. खसय स. 316 रुकवा 1.62 एकर मिता-2200
 रुकवा 3.04 एकर पर हिस्सा 2/3 का वादी को समुस्त कृषक खोतदार
 घोषित किया जाता है एव शरीफती से 10 गावत 7 का नाम राजल रिफ्टी से
 विलोपित किये जाने का आदेश तहसीलवा इन्द्रगढ़ को दिया जाता है साबदी

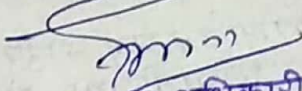
निज... मुबलिंग... बाबत... खर्चा इन
 मुकदमें के मय सूद बशरह... फीसदी सालाना आज की तारीख
 से तारीख अदायगी तक... का अदा करें। 28-8-2019
 सन... को जारी की गई। माह
 सब मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख

मुहर... दस्तखत... ओहदा... उपखण्ड अधिकारी... लाखेरी जिला बुंदी

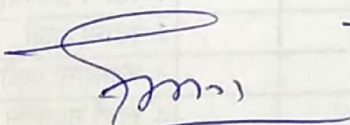
मुद्दई	रुपया	पैसे	मुद्दायलह	रुपया	पैसे
1. स्टाम्प अर्जीदावा			1. स्टान्प अर्जीदावा		
2. स्टाम्प वकालतनामा			2. स्टाम्प अर्जी		
3. स्टाम्प वजह सबूत			3. महन्ताना वकील		
4. महन्ताना वकील			4. खर्चा गवाहॉन		
5. खर्चा गवाहॉन			5. फीस कमिश्नर		
6. फीस कमिश्नर			6. बाबत इजराय हुक्मनामा		
7. बाबत इजराय हुक्मनामा			7. मुत्तफरिक		
मीजान			मीजान		

नोट :- इस खर्च के फार्म पर कुल खर्चा हर दो फरिकेन का चाहे डिगरी के जरिये दिखाया गया हो या नहीं दर्ज करना चाहिये।

प्रतिवर्षी सरखा । लगभग 7 को जमें स्थायी निवेशाशा से याकड
 किय जात है रके वाडी के कवजे काश्ट मे किसी प्रकार की दाखलनाजी
 न तो स्वयं करे अथ न रकी अन्य प्रादीनीची से करावे ।


 उपखण्ड अधिकारी
 लाखेरी जिला बून्दी

2. नारायण आत्मज चतुर्भुज जाते कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ बून्दी.
3. फौकलाल आत्मज चतुर्भुज जाते कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ बून्दी
4. मुकेश आत्मज चतुर्भुज जाते कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ बून्दी
5. मन्जुबाई पुत्री चतुर्भुज जाते कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ बून्दी
6. राजेशवाई पुत्री चतुर्भुज जाते कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ बून्दी
7. भूलीबाई वेद्य चतुर्भुज जाते कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ बून्दी
8. कल्याण आत्मज छीतर जाते कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ बून्दी
9. छोट्टलाल आत्मज छीतर जाते कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ बून्दी
10. मधुश आत्मज चमन) जाते कीर निवासी पचीपला तहसील इन्द्रगढ बून्दी
11. रिक आफ बडौदा सरखा लाखेरी जमें शारा प्रबन्धक लाखेरी
12. उपकजीयक उप तहसील लाखेरी
13. श्रीमान जिला कलमर बून्दी
14. राजस्थान सरकार जमें तहसील इन्द्रगढ जिला बून्दी



उपखण्ड अधिकारी
 लाखेरी जिला बून्दी

-----प्रतिवर्षीगण-----